Total Pages : 4

2541

Second Year Arts Examination, 2018

PRAKRIT

Paper–I

(आगम साहित्य, शिलालेख एवं व्याकरण)

Time allowed : Three Hours
Maximum Marks : 100

खण्ड-अ [Marks : 20

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-ब [Marks : 50

प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-स [Marks : 30

कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

इकाई-I

(i) ज्ञाता धर्म कथा का प्राकृत में रूपान्तरण कीजिये।

(ii) उत्तराध्ययन के प्रथम अध्ययन का नाम बताइये।

इकाई-II

(iii) धूत क्रीड़ा खेलने वाले के चार कषाय तीव्र हो जाते हैं उन चार कषायों के नाम बताइये।

(iv) मद्यपान कराने वाले व्यक्ति की क्या दशा होती है?

इकाई-III

(v) किन्हीं तीन अर्धमागधी आगमों के नाम लिखिये।

(vi) किन्हीं दो शौरसेनी आगमों के नाम बताइये।

इकाई-IV

(vii) अशोक के प्रथम शिलालेख में तीन ही प्राणियों को मारने के लिए कहा है। इन तीन प्राणियों के नाम बताइये।

(viii) अशोक को प्रियदर्शी क्यों कहा गया है?

इकाई-V

(ix) अर्धमागधी प्राकृत की तीन विशेषताएँ लिखिये।

(x) मथुरा में प्रचलित प्राकृत भाषा का नाम बताइये।

खण्ड-ब

इकाई-I

2. निम्नलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

एवामेव गोयमा। जीवा पाणाइनाय वेरमणेयां जब मिच्छादंसंणसल्लेवेरम णंणं अणुपुव्वेणं ऊड्ढकम्मपगडीओ खवेत्ता गगणतलमुप्पहत्ता उप्पिं लोयग्ग पइट्ठाणा भवंति। एवं खलु गोयया। जीवा लहुयत्तं हत्वामागच्छंति।

3. निम्नलिखित गाथा की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

अप्पा चेव दयेयव्वो अप्पा हु खलु दुद्दमो।

अप्पा दंतो सुही होइ अस्सिं लोए परत्थ य।।

इकाई-II

4. निम्नांकित गाथा की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

अग्गि-विस-कोर-सप्पा हुक्खं थोवं कुणंति इहलोए।

दुक्खं गणेइ जूयं णरस्स भवसयसहस्सेसु।।

5. वसुनं दीश्रावकाचार के पठित अंश का मूल्यांकन कीजिए।

इकाई-III

6. अर्ध मागधी आगम ज्ञाता धर्म कथा ग्रन्थ का महत्त्व समझाइये।

7. किसी एक शौरसैनी आगम ग्रन्थ का परिचय दीजिए।

इकाई-IV

8. अधोलिखित शिलालेख का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

   देवामं प्रियो पियदसि राजा एवं आह द्वादसवासाभिसिनेन मया इदं आज्ञापितं सर्वत विजिते मम युवा च राजूके च प्रादेसिके च पंचसु पंचसु वासेसुअनुसंयानं नियातु।

9. पठित शिलालेखों का सारांश लिखिये।

इकाई-V

10. पुरिस शब्द की सभी विभक्तियों के दोनों वचनों में रूप लिखिये।

11. लिह क्रिया का वर्तमान काल के तीनों पुरुषों एवं दोनों वचनों में रूप लिखिये।

खण्ड-स

इकाई-I

12. णाया धम्मकहा के आधार पर तुंषक अध्ययन का महत्त्व बताइये।

इकाई-II

13. वसुनंदीश्रावकाचार में वर्णित मद्य दोष को समझाइये।

इकाई-III

14. षट्खण्डागम का मूल्यांकन कीजिये।

इकाई-IV

15. अशोक के अभिलेखों का धार्मिक महत्त्व बताइये।

इकाई-V

16. प्राकृत भाषा की सामान्य विशेषताएँ बताइए।